कभी तेरा दवार न छुटे तू मुझसे कभी न रूठे

जीवन की है एक तमना सांवरिया सरकार,
हाथ जोड़ कर करू बिनती तुझसे बारम बार,
कभी तेरा दवार न छुटे तू मुझसे कभी न रूठे,

भूल से भी बाबा मुझसे न भुलाना,
हाथ दया का बाबा कभी न हटाना,
पिछले जनम में पुणे किये थे मिला तेरा दरबार,
कभी तेरा दवार न छुटे.....

तुझे पके मैंने सारा जहां पा लिया है,
औकात से भी ज्यादा तूने दिया है,
भूले से भी भूल ना पाऊ श्याम तेरे उपकार,
कभी तेरा दवार न छुटे.....

तेरी किरपा से ये फूल खिला है,
आई बहारे जबसे मुझे तू मिला है,
तेरे सिवा इस श्याम को बाबा किसी की न दिकार,
कभी तेरा दवार न छुटे

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/3514/title/kabhi-tera-dawar-na-chute-tu-mujhse-kabhi-na-ruthe

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |